No. of Printed Pages : 4

MHD-12

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम. एच. डी.-12 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है।

(*ii*) शेष में से किन्हीं ***तीन*** *प्रश्नों* के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 × 10 = 20

(क) अप्पू ताड़ के पेड़ों के पत्ते से बना छाता कन्धे पर रखकर उसकी रंगीन डण्डी पर थैली लटकाए आँगन से चल पड़ा। फाटक पार कर फिसलकर गिरने को हुआ, लेकिन गिरा नहीं। मुड़कर देखा

कि किसी ने देखा तो नहीं। ओसारे के दरवाजे के सहारे दीदी उसे ही एकटक देख रही थी ..... यह डराने वाली आँखें उसे कैसे मिलीं। जब उसने मुड़कर देखा तो दीदी ने कछुए की तरह सिर अन्दर खींच लिया।

'दीदी भी कैसी पगली है।'

(ख) लेकिन यह सुर एकदम से बदल कैसे गया ? शैलबाला के गले में अब पहले जैसा हाहाकार क्यों नहीं है। कुछ क्षण पहले तक तो इसमें कितनी आकुलता थी, कितनी आत्मीयता थी। इसका मतलब लड़कों के सामने यह खेल नहीं चलेगा। तो क्या शैलबाला के लिए अपने पति के प्रति आकुलता एक खेल है। हाँ और क्या, पहले भी तो अविनाश ने कई मौकों पर यह चीज़ लक्ष्य की है।

(ग) मन में उबलता हुआ क्रन्दन भीतर ही भीतर दबाने की कोशिश में उसके गाल, होंठ थरथरा रहे थे। आँखों से आँसू बह रहे थे। यह देखकर वह भी

रुआंसा हो गया था। लेकिन सारे शरीर में जल रही विद्रोह की आग से आँसू जल रहे थे। आँखों के दरवाजे से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। उसका विद्रोही मन धर्म, देश से जोर-जोर से लड़ रहा था। वह देश से, धर्म से वाद-विवाद करने में, उन पर प्रहार करने में लीन हो गया।

(घ) राजकुमारी ने पहली मर्तबा इंसान की जबान से इंसान के बोल सुने। यह तो बराबरी के भाव से बेहिचक बात कर रहा है। इसकी नजर में तो कोई छोटा-बड़ा नहीं। राजदरबार का तो माहौल ही अलग। इंसान के मुखौटों में वहाँ सियार, कौवे, पिल्ले, गधे और मेमने इधर-उधर चक्कर लगाते हैं। इंसान की योनि में आकर भी कोई इंसान की मर्यादा नहीं जानता। राजकुमारी होश सँभालने के बाद जिस मर्यादा को देखने की खातिर तरस रही थी, वह पहली बार कबीर के चेहरे पर साफ नजर आई।

2. 'लड़की जिसकी मैंने हत्या की' कहानी के आधार पर लेखक का मंतव्य स्पष्ट कीजिए। 10

3. 'बघेई' कहानी में व्यक्त आदिवासी जनजीवन पर प्रकाश डालिए। 10

4. मीना काकोडकर की कहानी 'ओऽरे चुरुंगन मेरे .....' की संवेदना और शिल्प पर विचार कीजिए। 10

5. " 'अपना-अपना कर्ज' मानव मन की परतों को खोलने वाली कहानी है।" इस वक्तव्य के आधार पर कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10

6. 'तमिल' कहानी में डी. जयकांतन का स्थान निर्धारित कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए : 2×5=10

(क) 'चिंता' कहानी की प्रयोगशीलता

(ख) 'पाँच-पत्र' कहानी का जीवन दर्शन

(ग) सआदत हसन मण्टो

(घ) इंदिरा गोस्वामी